विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 6, अंक 68 माह - अगस्त, 2024, मूल्य : निःशुल्क

शुभ रक्षा बंधन

राखी की विशेषताएं :

- ✓ अनोखी कलात्मकता
- ✓ विभिन्न प्रकार के डिज़ाइन
- ✓ हल्की और आरामदायक
- ✓ लंबे समय तक चलने वाली

इस रक्षाबंधन पर भाइयों को बांधें उनके नाम की हस्तनिर्मित रेज़िन सुंदर और अनूठी राखी

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ संघेलिया
अध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

रानेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

अनिल अवस्थी
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

अर्चना संघेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वनिल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

भाई की कलाई पर बांधें राखी की ये अनोखी डिजाइन, सभी करेंगे तारीफ

LA CELESTA PVT. LTD. इस रक्षाबंधन पर आपके लिए लाये है हस्तनिर्मित रेज़िन सुंदर और अनूठी राखी, जिसे अपने भाइयों के नाम लिखी राखी रक्षाबंधन का त्यौहार मनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। राखी को उच्च गुणवत्ता वाले रेज़िन सामग्री का उपयोग करके सावधानी से तैयार किया जाता है। यह भाई के प्रति अपने प्यार और स्नेह को व्यक्त करने के लिए तैयार की गई है। राखी के इस पैक में हल्दी, कुमकुम, प्लेट और एक ग्रीटिंग कार्ड भी शामिल है। कार्ड में अपने भाई को अच्छा भावनात्मक संदेश लिखे, यह अवसर और भी खास हो जाता है। पाईपोट हैंडमेड रेज़िन राखी भाई-बहन सहित विभिन्न रिश्तों के लिए उपयुक्त है। आप यह राखी आनलाइन या ऑफलाइन दोनों तरीकों से खरीद सकते है।

आनलाइन राखी खरीदने के लिए QR कोड को स्कैन करे एवं नीचे दी लिंक पर जायें

https://amzn.in/d/ifa6nWy

ऑफलाइन राखी खरीदने के लिए :-

स्वदेशी, बतासा वाली गली के सामने, जवाहरगंज वार्ड, सागर मो. 7389575425, 8818916114

विचार समिति, तिलकगंज, आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि. के पीछे सागर, मो.- 9575737475, 9244778010

- सक्सेस स्टोरी -

स्वदेशी मेला के अंतर्गत नए इनीशिएटिव करने वाली सफल उद्यमी की कहानी

आगे बढ़ने का एक ही रास्ता है, छोटे-छोटे कदम के साथ बढ़ते जाओ : स्वाति

स्वाति केशरवानी ने पापड़, बरी, केक बनाकर की स्वरोजगार की शुरुआत।

आगे बढ़ने का एक ही रास्ता है, छोटे-छोटे कदम के साथ बढ़ते जाओ। यह उक्ति आज के प्रतिस्पर्धी समय में भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी पहले थी। किसी भी क्षेत्र में यदि कोई सफल व्यक्ति दिखता है तो उसका यहां तक का सफर एक रात या दिन का नहीं होता। ये एक लंबा सफर होता है और संघर्षों से भरा हुआ होता है। बिना संघर्ष और मेहनत के सफलता की सीढ़ियां चढ़ना मुश्किल है। एक आम धारणा यह भी रही है कि अगर सफल बनना है, तो बहुत बड़े काम करने होंगे। लेकिन यह बिल्कुल सही नहीं है। अगर व्यावहारिक नजरिए से देखें तो आप छोटे-छोटे कदम उठाकर सफलता की सीढ़ी जल्दी चढ़ सकते हैं। बचपन से यह बात सुनने को मिलती है कि बूंद-बूंद से घड़ा भरता है। इसलिए अगर आपको जीवन के किसी भी क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाना है तो छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे और कुछ समय बाद आप पाएंगे कि आप अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ रहे हैं। हम आपको हर माह लाते है ऐसे हुनरमंद युवाओं की कहानी जो आपको रास्ता दिखाती है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। इस माह आप सभी नमक मंडी निवासी स्वाति केशरवानी से मिलिए जिन्होंने बरी-पापड़ से अपने स्वरोजगार की शुरुआत की ।

परिचय - स्वाति केशरवानी नमक मंडी कटरा में रहती है। स्वाति के पिता आटो - रिक्शा चलाते थे एवं मम्मी पापड़ बनाने का काम करतीं थीं। पिता की आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं थी कि स्वाति के साथ तीनों भाई- बहन को एक साथ पढ़ा सकें। स्वाति कहतीं हैं बड़ी बहन विकलांग थी तो पूरे परिवार की कोशिश रही कि वह अच्छे से पढ़ लिख जाए। बड़ी बहन ने एम.काम. किया है। मैं और दो भाइयों ने दसवीं तक की पढ़ाई की। हमें पढ़ने की बहुत इच्छा थी, परंतु परिस्थितियां हमारी अच्छी नहीं थी। हम सभी ने घर के काम में हाथ बटाना शुरू कर दिया था और घर के आगे चूने की दुकान खोली। जिससे परिवार को संभालने में बहुत मदद मिली। 22 वर्ष की उम्र में मेरी शादी नवीन केसरवानी से हुई और मेरे दो बच्चे हैं। शौर्य 9वीं कक्षा, यश 5वीं कक्षा में इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ रहें है।

पापड़, बरी से की अपने व्यवसाय की शुरुआत- हम सभी को बचपन से यह बात सुनने को मिलती है कि बूंद-बूंद से घड़ा भरता है। इसलिए अगर आपको जीवन के किसी भी क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाना है तो छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे और कुछ समय बाद आप पाएंगे कि आप अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ रहे हैं। शुरुआती दौर में मेरी मम्मी पापड़ बनाने का काम करती थी और शादी होने के बाद मेरी सासु मां भी पापड़ बनाती थीं। इसके साथ ही जो हमारे ग्राहक होते थे उन्होंने कहा कि हम चना,

पपड़ियां अच्छी बनाते हैं। तो मैने उनसे कहा कि मुझे भी बनाना सिखा दीजिए। इसी तरह चावल के पापड़, आलू के पापड़ आदि स्वादिष्ट पापड़ हमने बनाने सीखे। हमारे उत्पादों में चावल का पापड़, आटा पापड़, उड़द और मूंग के पापड़, सूजी के पापड़, आलू का पापड़, आलू की चिप्स, मूंग की बरी, उड़द बरी आदि कई अच्छी गुणवत्तापूर्ण उत्पाद बनाने सीखे। इसके साथ ही मैने केक बनाना सीखा जिसमें कप केक, जार केक आदि शामिल हैं।

कठिनाईयों का किया सामना- स्वाति कहती कि व्यवसाय करते समय कई बार हमारे सामने ऐसी परिस्थियां आती हैं कि हमें लगता है कि इसे छोड़ दिया जाये परन्तु मैंने हिम्मत बनाये रखी। छोटे प्रयासों से बड़े लक्ष्य को हासिल करना है, तो निरंतर मेहनत करना आवश्यक है। हम अपने दैनिक घेरलू काम करके जब भी फ्री हो जाते तो अपने उत्पादों बरी, पापड़ बनाने में लग जाते। मैं सोचती थी कि क्यों किसी के साथ फालतू बाहर बैठना है या कहीं जाना है। इसी में अपना समय लगाया जाए तो अच्छी गुणवत्ता के साथ बरी और पापड़ बनाये जा सकते हैं। बाजार में कई तरह का मिलावटी सामान उपलब्ध है। हम अपने ग्राहकों को अच्छा सामान दे रहे फिर भी घर से हमारे लिए एक बेस नहीं मिल पा रहा था लेकिन स्वदेशी मेला से सफलता की राह मिली।

स्वदेशी मेला हमारे व्यवसाय को बढ़ाने में रहा कारगर- स्वाति कहती हैं जब मैंने स्वदेशी मेले में दुकान खोली तो उसके बाद हमारे व्यवसाय में बड़ा सुधार हुआ। दुकान हमारे लिए आदर्श प्रयास स्वसहायता समूह की ओर से नि:शुल्क उपलब्ध करवाई गई थी। शुरुवाती दिनों में ग्राहकों को विश्वास नहीं हो रहा रहा था हमारे उत्पाद इतने अच्छें होंगे, हमने पॉलीबैग में पैक कर दिए थे पर कोई लेबिल नहीं लगा हुआ था। मैंने ग्राहकों से कहा कि आप हमारी सामग्री का उपयोग कर लीजिये अगर आपको पसंद नहीं आया तो आप वापिस कर दीजियेगा। कुछ ग्राहक पहले दिन कुछ सामग्री ले गये, जिन्होंने उपयोग करने के बाद फिर से आये और उन्होंने कहा यह बहुत अच्छा है। फिर अधिक उत्पाद लिए। हमने अपने ग्राहकों से कॉन्टेक्ट जानकारी साझा की सभी ग्राहकों के साथ नए ग्राहक हमसे जुड़ते जा रहे है। जिससे व्यवसाय को बढ़ाने में मदद मिली है। हम इसी व्यवसाय को आगे और बढ़ाना चाहते हैं। इस व्यवसाय को अन्य महिलाओं के साथ जुड़कर आगे बढ़ाना है।

युवाओं को स्वाति के विचार- जब आप लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने लगते हैं तो समय- समय पर उसका मूल्यांकन करते रहें। एक महीने पहले कहां थे और आज कहां हैं। इससे जब आपको पता चलेगा कि लगातार किये गए इन प्रयासों से आप आगे बढ़ते जा रहे हैं, तो इससे आप और अधिक प्रयास के लिए प्रेरित होंगे। मेहनत करेंगे तो कभी न कभी सफलता जरूर मिलेगी।

नीम लगाओ - पर्यावरण बचाओ केवल एक अभियान नहीं बल्कि पर्यावरण को बचाने का आधार है : कपिल मलैया

समस्त ग्रामवासियों के लिए नीम के पौधे वितरण किये गये।

नीम लगाओ - पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत ग्राम मनेसिया में 500 नीम के पौधों का रोपण एवं वितरण किया गया। बैठकीय परिचर्चा में विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने ग्रामवासियों से वर्तमान के बुनियादी आवश्यक मुद्दों में शिक्षा, प्राकृतिक खेती एवं पर्यावरण पर क्रमशः अपनी बात रखी उन्होंने कहा अच्छी शिक्षा के लिए शिक्षक एवं छात्र के बीच आपसी प्रेम ही सकारात्मक परिणाम लाता है। वातावरण में आए परिवर्तनों पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने सभी ग्रामवासियों के अनुभव जाने उन्होंने कहा नीम लगाओ - पर्यावरण बचाओ अभियान यह केवल एक अभियान नहीं है बल्कि पर्यावरण को बचाने का आधार है। खेती में प्रत्येक एक एकड़ पर नीम के कुछ पेड़ होना जरुरी है। आप सभी लोगों का यह प्रयास न केवल आपकी समाज सेवा का प्रतीक है बल्कि यह एक प्रेरणा भी है दूसरों के लिए, आपका योगदान सराहनीय है।

विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने जानकारी देते हुए बताया कि समिति ने 2 दिसंबर 2023 को "नींम लगाओ - पर्यावरण बचाओ अभियान" के अंतर्गत 50 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया है। इन पौधों की नियमित देखरेख वृक्षमित्र करेंगे। प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार वितरण किए जाएंगे। समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने कहा कि नीम एक प्राचीन और गुणकारी पौधा है जिसकी पत्तियों, फलों और छाल में कई औषधीय गुण होते हैं। इसका वृक्षारोपण करने से पर्यावरण के लिए भी बहुत लाभ होता है क्योंकि नीम के पेड़ उपस्थित होने से वातावरण में प्रदूषण कम होता है और पर्यावरण का संतुलन बना रहता है। समिति कोषाध्यक्ष विनय मलैया ने ग्रामवासियों के लिए प्राकृतिक खेती करने की जानकारी दी। उन्होंने अपील की कि हमें कम से कम अपने घरेलू उपयोग के लिए प्राकृतिक खेती करना चाहिए। सोना मोती गेहूं खाने में सर्वश्रेष्ठ है, हमें इसे उगाना चाहिए। उन्होंने जीवामृत, गो कृपा अमृत, जैविक खाद तैयार करने की प्रक्रिया साझा की। इस अवसर पर प्रीति मलैया, कुंदनलाल रिछारिया, मनोज राय, सुरेन्द्र राय, गजराज सिंह राजपूत, सीताराम चढ़ार, बद्री प्रसाद कुर्मी, कैलाश कुर्मी, भगवान दास पवार, महाराज सिंह दांगी, मोहन पवार आदि उपस्थित थे।

पांच दिवसीय महिला स्वरोजगार प्रशिक्षण का समापन, 18 माह में 86 महिलाओं ने ट्रेनिंग ली और 20 से अधिक महिलाओं ने स्वरोजगार स्थापित किया

व्यवसाय में उतार-चढ़ाव तो आते रहते हैं, उनसे घबराने की जरूरत नहीं

विचार समिति परिसर में स्वरोजगार प्रशिक्षण ले सभी महिलाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए।

विचार समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय महिला स्वरोजगार प्रशिक्षण का आज विचार कार्यालय में समापन हो गया। समापन के अवसर पर सभी महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर गोमय माला से सम्मानित किया। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है। सलाह सबकी ले, उसमें देखे आपका कितना मुनाफा हो रहा है। व्यापार में उतार-चढ़ाव तो आते रहते हैं उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि व्यवसाय में चुनौती हमेशा अवसर लेकर आती है। अगर ध्यान रखें तो रास्ता निकलता है और ध्यान न रखा जाय तो तनाव होता है। आज हमारे सामने सैकड़ों उदाहरण हैं जिन्होंने छोटे रूप से स्वरोजगार की शुरुआत की और आज सफल है।

समिति अध्यक्ष कपिल मलैया युवा व्यवसायी जसिका सोनी का गोबर से बनी घड़ी, गोमय माला से सम्मानित किया।

प्रशिक्षण में यह बता दिया जायेगा कि व्यवसाय कैसे करना है, क्या करना है लेकिन व्यवसाय आपको ही खोजना है। व्यवसाय में गुणवत्ता रहेगी तो हमेशा चलता रहेगा। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि महिला स्वरोजगार प्रशिक्षण में दो वर्ष में 86 महिलाएं ट्रेनिंग ले चुकी हैं, 20 से अधिक महिलाओं ने स्वरोजगार स्थापित किया है।

जमीनी स्तर से समझें स्वरोजगार के कौशल, महिलाओं ने लगाये फुल्की, भेल, इडली के स्टॉल ।

एवं अन्य महिलाओं को उद्यमिता की राह पर आगे आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। क्वेस्ट एलाइंस से महिला स्वरोजगार परियोजना प्रभारी प्रांजल मिश्रा ने बताया कि आज के समय में हमें अपने देश में रोजगार बढ़ाना है तो उद्यमिता सबसे अच्छा विकल्प है। क्वेस्ट एलाइंस की रोशनी सोनी ने बताया कि स्वरोजगार प्रशिक्षण में महिलाओं को उनके कौशलों से अवगत कराना, व्यवसाय चुनना, मार्केटिंग, व्यवसाय की तैयारी, बजट बनाना एवं अपने ग्राहकों की पहचान करना, व्यवसाय के लिए पूंजी जुटाना प्रशिक्षण का मुख्य हिस्सा रहा। युवा उद्यमी जसिका सोनी ने महिलाओं को प्रेरणा देते हुये कहा कि मुझे शुरुवात में किसी का सपोर्ट नही मिला था। 3000 रुपयें से अपने व्यवसाय की शुरुबात की थी और आज 3 से 7 लाख तक का हर माह व्यवसाय हो जाता है। रविन्द्र ठाकुर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का आभार पूजा प्रजापति ने माना। इस अवसर पर अर्चना चौरसिया, नीलम अहिरवार, सविता ठाकुर, सरोज जाट, सीमा साहू, करिश्मा पटैल, ज्योति पटैल, अंजू पटैल, नीलू पटैल, नीलू सागर, प्रियंका साहू, गीता साहू, आशा मेहरा, यशोदा मेहरा, निर्मला नामदेव आदि ने प्रशिक्षण लिया।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में विचार समिति शामिल हुई

मध्य प्रदेश में संतुलित और समतामूलक विकास की अपनी यात्रा में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जबलपुर में दूसरा क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन (आरआईसी) आयोजित हुआ। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस सम्मेलन में स्वावलंबी भारत अभियान प्रांत सह - समन्वयक एवं विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया, नितिन पटैरिया, प्रजातंत्र गंगेले ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में प्रमुख उद्योगपतियों, विभिन्न उद्योग संघों के प्रतिनिधियों और प्रमुख विदेशियों ने हिस्सा लिया।

प्रांत सह - समन्वयक एवं विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया, नितिन पटैरिया, प्रजातंत्र गंगेले शामिल हुए

स्वास्थ्य परीक्षण से पता चलता है कि हमारे शरीर के कौन से हिस्से में क्या समस्या है

नेत्र परीक्षण शिविर में नि:शुल्क 250 लोगों का परीक्षण हुआ

नि:शुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्य।

शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण एवं नीम के पौधे वितरित किये गए।

विचार समिति, समय - सारथी, सागर जिला पेट्रोलियम डीलर्स एसोसियन, वैश्य महासम्मेलन सागर एवं टाइटन आई सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से नि:शुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन एस.टी. कोमलचंद पेट्रोल पंप पर किया गया। शिविर में 250 से अधिक लोगों का परीक्षण किया गया। आयुष विभाग से डॉ. पारुल सारस्वत ने स्वास्थ्य परीक्षण किया। उन्होंने सभी मरीजों को सलाह देते हुए कहा कि हम सभी को नहीं पता होता है कि हमारे शरीर के कौन से हिस्से में क्या समस्या है। कम से कम हम सभी को एक वर्ष में स्वास्थ्य परीक्षण करवाना चाहिए। आज हम देख रहे हैं लगातार मोबाइल के उपयोग या स्क्रीन समय के कारण दृष्टि दोष की समस्या हो रही है इन सभी के लिए नेत्र-परीक्षण भी उतना ही आवश्यक है जितना हमारे हृदय का स्वस्थ रहना। स्वस्थ रहने के लिए दिनचर्या और ऋतुचर्या का पालन करना चाहिए। सुबह सूर्योदय के पहले सोकर उठें, पैदल चलें, हल्का खाना खाएं, बाहर के खाने से दूरी बनाएं, घरेलू नुस्खे का उपयोग करें, मशालों से दूरी बनाएं एवं फ्रिज के खाने से बचें, अपने भोजन में अदरक, लहसुन का उपयोग करें। रात को जल्दी सोये, एक संयमित दिनचर्या के चलते आप स्वस्थ बने रह सकते हैं। इस अवसर पर विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि सहयोगी संस्थाओं

के साथ मिलकर यह शिविर सफल रहा है। स्वास्थ्य परीक्षण के साथ नीम के पौधों का वितरण किया गया। समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया कहते हैं कि हमारा उद्देश्य ड्राइवर, कंडेक्टर एवं आम जन जो लगातार गाड़ियों का उपयोग करते हैं, उनको यह जानकारी हो कि उनकी आंखें कितनी स्वस्थ है। इस अवसर पर आशीष सिंह ठाकुर, राजेंद्र दुबे, अक्षत चौकसे, मनीष अग्रवाल, समीर जैन, आलोक जैन, अर्पित अग्रवाल, अंशुल केशरवानी विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता जैन, भाग्यश्री राय, ज्योति रैकवार, उमा पटेल, पूजा प्रजापति, अरविन्द अहिरवार, माधव यादव, अभिषेक मसीह, राहुल अहिरवार आदि सदस्य उपस्थित रहे।

शासकीय शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संस्थाओं ने विचार समिति द्वारा चलाये जा रहे नीम लगाओं - पर्यावरण बचाओं अभियान के अंर्तगत नीम के पौधे रोपें।

विचार समिति द्वारा पर्यावरण को हरा-भरा बनाये रखने के लिए नीम लगाओं - पर्यावरण बचाओ अभियान से शासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालय के साथ सामाजिक संस्थानों ने अपने कार्यस्थल परिसर में नीम के पौधे लगाए है इस अवसर पर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजीव दुबे ने कहा विचार समिति द्वारा बहुत ही शानदार कार्य प्रकृति को हरा भरा रखने के लिए किया जा रहा है।

सेमरा बाग स्कूली बच्चों ने 106 नीम के पौधे एवं कल्पवृक्ष रोपित किये गये। सुधा पटेल, लक्ष्मी सेन, रेनु पटेल, रीना पटेल के साथ प्राचार्य मीना पटेल कहती है कि मैं समिति के साथ पिछले कई वर्षों से कार्य कर रही हूं समिति अध्यक्ष कपिल मलैया बधाई के पात्र हैं जिन्होंने शिक्षा, पर्यावरण, समाज के निरंतर कार्य कर रहे है।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्कूल क्रमांक -1 में प्राचार्य विनय कुमार दुबे, शिक्षक श्रीमति सुधा कौशल, बी.एस. राजपूत, हितेश प्रजापति, ऋषिकांत गोस्वामी, तनुज कुमार पांडेय के साथ 1 कल्पवृक्ष के साथ 50 नीम के पौधे का रोपण किया गया। शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। नीम के वृक्ष हानिकारक प्रदूषकों को हटाते हैं और हमारे प्राकृतिक वायु फिल्टर के रूप में कार्य करते हैं।

सरस्वती शिशु मंदिर सेमरा बाग प्राचार्य मीना पटेल के सहयोग से ग्राम रूसल्ला में सयोंजक ललित पटेल, वर्षा पटेल, राखी पटेल आदि के सहयोग से 1 कल्पवृक्ष का रोपण किया गया। इस अवसर पर सयोंजक ललित पटेल ने कहा हम सभी ने कल्पवृक्ष का नाम सुना था यह सौभाग्य है कि विचार समिति द्वारा यह पौधा हमारे ग्राम में लगाया गया। इसे इच्छापूर्ति का वृक्ष भी कहा जाता है क्योंकि यह माना जाता है कि इसके नीचे बैठकर मांगी गई हर इच्छा पूरी होती है।

राजीव गांधी पार्क के समीप रानी दुर्गावती माध्यमिक शाला में शालिनी मिश्रा के सहयोग से 1 कल्पवृक्ष, 10 नीम के पौधे का रोपण किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा आज-कल सजावटी पौधे तो हर कोई लगा रहा लेकिन पर्यावरण की दृष्टि नीम के पौधे उपयुक्त है हमारे यहां की जलवायु में यह पौधे अच्छे से वृद्धि करते है। शाला के अन्य शिक्षक, छात्राओं ने पौधे रोपित किये।

मीडिया कवरेज

मनेसिया में विचार समिति ने नीम के 500 पौधे रोपे, मलैया ने कहा - यह पर्यावरण बचाने का आधार

नीम लगाओ - पर्यावरण बचाओ अभियान के तहत ग्राम मनेसिया में 500 नीम के पौधों का रोपण एवं वितरण किया गया।

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने ग्रामवासियों से वर्तमान के बुनियादी आवश्यक मुद्दों में शिक्षा, प्राकृतिक खेती एवं पर्यावरण पर क्रमशः अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अच्छी शिक्षा के लिए शिक्षक एवं छात्र के बीच आपसी प्रेम ही सकारात्मक परिणाम लाता है। उन्होंने कहा नीम लगाओ - पर्यावरण बचाओ केवल एक अभियान नहीं है, बल्कि पर्यावरण को बचाने का आधार है। खेती में प्रत्येक एक एकड़ पर नीम के कुछ पेड़ होना जरूरी है। आप सभी लोगों का यह प्रयास न केवल आपकी समाज सेवा का प्रतीक है, बल्कि यह एक प्रेरणा भी है। दूसरों के लिए आपका योगदान सराहनीय है। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, कोषाध्यक्ष विनय मलैया ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर प्रीति मलैया, कुंदनलाल रिछारिया, मनोज राय, सुरेन्द्र राय, गजराज सिंह राजपूत, सौरभ ठाकुर, बड़ी प्रसाद कुर्मी, कैलाश कुर्मी, भगवानदास पटेल, महाराज सिंह घोषी व मोहन पटेल आदि मौजूद थे।

विचार समिति ने किया पौधरोपण

नीम लगाओ-पर्यावरण बचाओ अभियान: 500 नीम के पौधे रोपे और बांटे

विचार समिति ने 5 सौ नीम के पौधों का किया रोपण और वितरण

नीम लगाओ पर्यावरण बचाओ केवल एक अभियान नहीं बल्कि पर्यावरण को बचाने का आधार है : कपिल मलैया

सागर, देशबन्धु। नीम लगाओ पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत ग्राम मनेसिया में 500 नीम के पौधों का रोपण एवं वितरण किया गया। बैठकीय परिचर्चा में विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने ग्रामवासियों से वर्तमान के बुनियादी आवश्यक मुद्दों में शिक्षा, प्राकृतिक खेती एवं पर्यावरण पर क्रमशः अपनी बात रखी उन्होंने कहा अच्छी शिक्षा के लिये शिक्षक एवं छात्र के बीच आपसी प्रेम ही सकारात्मक परिणाम लाता है। वातावरण में आये परिवर्तनों पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने सभी ग्रामवासियों के अनुभव जाने उन्होंने कहा नीम लगाओ पर्यावरण बचाओ अभियान यह केवल एक अभियान नहीं है बल्कि पर्यावरण को बचाने का आधार है। खेतों में प्रत्येक एक एकड़ पर नीम के कुछ पेड़ होना जरुरी है। आप सभी लोगों का यह प्रयास न केवल आपकी समाज सेवा का प्रतीक है बल्कि यह एक प्रेरणा भी है दूसरों के लिये आपका योगदान सराहनीय है। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि समिति ने 2 दिसंबर 2023 को नीम लगाओ पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत 50 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया है। इन पौधों के नियमित देखरेख सुनिश्चित करेंगे। प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार वितरण किये जायेंगे। समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने कहा कि नीम एक प्राचीन और गुणकारी पौधा है जिसकी पत्तियाँ, फलों और छाल में कई औषधीय गुण होते हैं। इसका रोपण करने से पर्यावरण के लिए भी बहुत लाभ होता है क्योंकि नीम के पेड़ उपस्थित होने से वातावरण में प्रदूषण कम होता है और वातावरण का संतुलन बना रहता है। समिति कोषाध्यक्ष विनय मलैया ने ग्रामवासियों के लिए प्राकृतिक खेती करने की जानकारी दी उन्होंने अपील की कि हमें कम से कम अपने घरेलू उपयोग के लिए प्राकृतिक खेती करना चाहिए। इस अवसर प्रीति मलैया, कुंदनलाल रिछारिया, मनोज राय, सुरेन्द्र राय, गजराज सिंह राजपूत आदि उपस्थित थे।

विचार समिति ने किया पौधरोपण

नीम लगाओ-पर्यावरण बचाओ अभियान: 500 नीम के पौधे रोपे और बांटे

नीम लगाओ,पर्यावरण बचाओ केवल एक अभियान नहीं बल्कि पर्यावरण को बचाने का आधार है : कपिल मलैया

ग्राम मनेसिया में विचार समिति ने 500 नीम के पौधों का रोपण एवं वितरण किया

मीडिया कवरेज

18 माह में 86 महिलाओं ने आत्मनिर्भर बनने का प्रशिक्षण लिया, 20 महिलाओं ने स्वरोजगार स्थापित किया

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति एवं कोस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय महिला स्वरोजगार प्रशिक्षण का रविवार को समापन हो गया। इस अवसर पर सभी महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर गौमय माला से सम्मानित किया गया। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है। सलाह सबकी लें, उसमें देखें आपका कितना मुनाफा हो रहा है। व्यापार में उतार-चढ़ाव तो आते रहते हैं। उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि व्यवसाय में चुनौती हमेशा अवसर लेकर आती है। अगर ध्यान रखें तो रास्ता निकलता है और ध्यान न रखा जाय तो तनाव होता है। आज हमारे सामने सैकड़ों उदाहरण हैं जिन्होंने छोटे रूप से स्वरोजगार की शुरुआत की और आज सफल हैं। प्रशिक्षण में यह बता दिया है कि व्यवसाय कैसे करना है, क्या करना है लेकिन व्यवसाय आपको ही खोजना है। व्यवसाय में गुणवत्ता रहेगी तो हमेशा चलता रहेगा। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि महिला स्वरोजगार प्रशिक्षण में दो वर्ष में 86 महिलाएं ट्रेनिंग ले चुकी हैं, 20 से अधिक महिलाओं ने स्वरोजगार स्थापित किया है एवं अन्य महिलाओं को उद्यमिता की राह पर आगे आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कोस्ट एलाइंस से महिला स्वरोजगार परियोजना प्रभारी प्रांजल मिश्रा और रोशनी सोनी ने बताया कि स्वरोजगार प्रशिक्षण में महिलाओं को उनके कौशलों से अवगत कराना, व्यवसाय चुनना, बजट बनाना एवं अपने ग्राहकों की पहचान करना, व्यवसाय के लिए पूंजी जुटाना प्रशिक्षण का मुख्य हिस्सा रहा। युवा उद्यमी जमिका सोनी और रविन्द्र ठाकुर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। आभार पूजा प्रजापति ने माना। इस अवसर पर अर्चना चौरसिया, नीतू सागर, नीलम अहिरवार, सविता ठाकुर, सरोज जाट, सीमा साहू, करिश्मा पटेल, ज्योति पटेल, अंजू पटेल, नीतू पटेल, प्रियंका साहू, गीता साहू, आशा मेहरा, यशोदा मेहरा, निर्मला नामदेव आदि ने प्रशिक्षण लिया।

पांच दिवसीय महिला स्वरोजगार प्रशिक्षण का समापन

व्यवसाय में उतार-चढ़ाव तो आते रहते हैं, उनसे घबराने की जरूरत नहीं: कपिल मलैया

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com
Bhopal Sagar Bhoomi - 22 Jul 2024 - Page 1

व्यवसाय में उतार-चढ़ाव तो आते रहते हैं उनसे घबराने की जरूरत नहीं : मलैया

मीडिया कवरेज

महिला स्वरोजगार प्रशिक्षण का समापन प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

व्यवसाय में उतार-चढ़ाव तो आते रहते हैं, उनसे घबराने की जरूरत नहीं: कपिल मलैया

व्यवसाय में उतार-चढ़ाव तो आते रहते हैं, उनसे घबराने की जरूरत नही :कपिल मलैया

व्यवसाय में उतार-चढ़ाव तो आते रहते हैं, उनसे घबराने की जरूरत नहीं : कपिल

व्यवसाय में उतार-चढ़ाव तो आते रहते हैं, उनसे घबराने की जरूरत नहीं : कपिल मलैया

भास्कर खास - विचार समिति ने लांच की अनूठी योजना, लोगों को पौधों की देखभाल करने के लिए प्रेरित करने की पहल

पर्यावरण संरक्षण के लिए बंपर ऑफर- नीम के पौधे को पेड़ बनाइए और उपहार में जीतिए फ्रिज, टीवी, आटा चक्की सहित अनेक पुरस्कार

नीम के 50 हजार पौधे रोपने का लक्ष्य रखा

शिविर में 250 मरीजों की जांच कर दवा दी

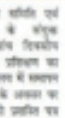

एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान में प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी के लिए प्रवेश परीक्षा 14 जुलाई 2024 को आयोजित होगी

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

BHU
Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation, one platform

Lyvefresh®

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION
PRF

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT
GROUP OF COLLEGES
Greater Noida-Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar (M.P.)

THE ART OF LIVING®

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship
Preparation–Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
ROHTAK

भारत विकास परिषद
Bharat Vikas Parishad
Sagar (M.P.)

ISRN

Edu-Vitae
Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is us!
Edu Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation

विचार समिति

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

cfpay.dmvicharsamiti@icici

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर